पाठ्यक्रम संरचना सत्र 2020–21
कक्षा – 12 वीं
विषय – अर्थशास्त्र
विषय कोड – 303

सैद्धांतिक–80
प्रायोजना–20

पूर्णांक–100 (80+20)

क्र.	इकाई		विषय वस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
1.	**भाग– I**		व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय		
		1	परिचय	**04**	**06**
		2	उपभोक्ता संतुलन एवं माँग	**16**	**20**
		3	बाजार के स्वरूप तथा पूर्ण प्रतिस्पर्धा के तहत मूल्य निर्धारण	**20**	**24**
				40	**50**
2	**भाग– II**		समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय		
		4	राष्ट्रीय आय तथा सकल संबंधी	**15**	**20**
		5	मुद्रा तथा बैंकिंग	**12**	**14**
		6	सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था	**13**	**16**
				40	**50**
3	**भाग–"स"**		**प्रोजेक्ट कार्य**	**20**	**20**
			योग	**100**	**120**

पाठ्यक्रम संरचना सत्र 2020–21
कक्षा – 12 वीं
विषय – अर्थशास्त्र
विषय कोड – 303

समय – 3 घंटा

सैद्धांतिक अंक – 80
प्रायोजना अंक – 20

भाग–1 व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro Economics) एक परिचय

इकाई:एक– परिचय तथा समष्टि अर्थशास्त्र 04 अंक, 06 कालखण्ड

व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ, सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र,अर्थव्यवस्था क्या है? अर्थयवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ : वस्तुओं का उत्पादन क्यों, कैसे तथा किसके लिए सीमांत उत्पादन संभावना की अवधारणा तथा अवसर लागत।

इकाईः दो– उपभोक्ता संतुलन (Equilibrium) एवं माँग 16 अंक, 20 कालखण्ड

उपभोक्ता संतुलन – उपयोगिता का अर्थ, सीमांत उपयोगिता, सीमांत उपयोगिता के अवमूल्यन का नियम, सीमांत उपयोगिता विश्लेषण के उपयोग से उपभोक्ता संतुलन की स्थिति।

उपभोक्ता संतुलन के अनाधिमान वक्र का विश्लेषण–उपभोक्ता बजट (बजट सेट तथा बजट रेखा), उपभोक्ता के अधिमान (अनाधिमान वक्र, अनाधिमान मानचित्र) तथा उपभोक्ता संतुलन की स्थिति।

माँग– बाजार माँग, माँग निर्धारक, माँग अनुसूची, माँग वक्र तथा इसकी प्रवणता, माँग वक्र में परिवर्तन तथा माँग वक्र की दिशा में गति की लोच–किसी वस्तु के लिए माँग की कीमत लोच को निर्धारित करने वाले कारक, मूल्य की माप, प्रतिशत, परिवर्तन विधि।

इकाई : तीन – बाजार के स्वरूप (प्रकार) तथा पूर्ण प्रतिस्पर्धा के तहत मूल्य निर्धारण
20 अंक 24 कालखण्ड

पूर्ण प्रतिस्पर्धा– लक्षण, बाजार संतुलन का निर्धारण, शिफ्ट का माँग तथा पूर्ति में प्रभाव अन्य बाजार स्वरूप–एकाधिकार, एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा, अल्पाधिकार–इनके अर्थ तथा लक्षण, पूर्ण प्रतिस्पर्धा के तहत मूल्य निर्धारण।

भाग–2 समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय

इकाई : चार – राष्ट्रीय आय तथा सकल संबंधी 15 अंक, 20 कालखण्ड

कुछ आधारभूत संकल्पनाएँ–उपभोग वस्तुएँ, पूँजीगत वस्तुएँ, अंतिम वस्तुएँ, मध्यवर्ती वस्तुएँ, स्टॉक तथा प्रवाह–सकल निवेश तथा मूल्यह्रास।

राष्ट्रीय आय की गणना विधि–मूल्य विधि अथवा उत्पाद विधि, आय विधि, व्यय विधि

राष्ट्रीय आय संबंधी सकल – सकल राष्ट्रीय आय (GNP), निवल राष्ट्रीय आय (NNP), सकल तथा निवल घरेलू उत्पाद (GDP तथा NDP), बाजार तथा मूल्य पर, कारक मूल्य पर (लागत), वास्तविक तथा अवास्तविक।

इकाई : पाँच – मुद्रा तथा बैंकिंग 12 अंक, 14 कालखण्ड

मुद्रा–अर्थ तथा मुद्रा की पूर्ति–लोगों द्वारा रखी गई करेंसी तथा कॉमर्शियल (व्यावसायिक) बैंक द्वारा रखी गई निवल माँग जमा, कॉमर्शियल बैंकिंग पद्धति द्वारा मुद्रा सृजन।

सेन्ट्रल बैंक तथा उसके कार्य (रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का उदाहरण)

बैंक की नीति– शासकीय बैंक, बैंकर्स बैंक,बैंक दर नीति द्वारा क्रेडिट (ऋण) का नियंत्रण CRR, SLR रेपो रेट, रिजर्व रेपोरेट, खुली बाजार कारवाई Margine Requirement (लाभ आवश्यकता)

इकाई : छैः – सरकारी बजट तथा अर्थव्यवस्था 13 अंक, 16 कालखण्ड

सरकारी बजट – अर्थ, उद्देश्य तथा घटक

प्राप्तियां वर्गीकरण – राजस्व प्राप्तियां, तथा पूंजीगत प्राप्तियां, व्यय का वर्गीकरण – राजस्व व्यय तथा पूंजीगत व्यय

सरकारी घाटे की माप – राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा, प्राथमिक घाटा, इनके अर्थ।

टीप : अर्थशास्त्र विषय संबंधी संदर्भ पुस्तकों का आवश्यकतानुसार उपयोग किया जा सकता है।

उपसचिव
छ0 ग0 माध्यमिक शिक्षा मण्डल
रायपुर